आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार एकांश
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शनिवार 21.03.2026
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज हल्द्वानी में उत्तराखंड सरकार के चार वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करेंगे।
- केंद्रीय पर्यावरण और वन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा– वनों को बचाने का अर्थ केवल पेड़ों की रक्षा करना नहीं है, बल्कि पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को जीवित रहने देना है।
- केंद्र सरकार ने आयकर नियम 2026 अधिसूचित किए। नए नियम पहली अप्रैल से प्रभावी होंगे।
- प्रदेश में सेब काश्तकारों को बड़ी राहत, अति सघन बागवानी योजना के लिए 29 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि जारी।
- देशभर में आज ईद–उल–फितर का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है।

रक्षा मंत्री हल्द्वानी दौरा

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज हल्द्वानी में अब से कुछ देर में उत्तराखंड सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम 'जन–जन की सरकार, चार साल बेमिसाल' को संबोधित करेंगे।

गौरतलब है कि इस कार्यक्रम के माध्यम से सरकार प्रदेशवासियों के समक्ष पिछले चार वर्षों में किए गए विकास कार्यों और अपनी उपलब्धियों को प्रस्तुत करेगी।

अंतरराष्ट्रीय वन दिवस

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि जब हम वनों की बात करते हैं, तो उन्हें बचाने का अर्थ केवल पेड़ों की रक्षा करना नहीं है, बल्कि पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को जीवित रहने देना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हम प्रकृति की शक्ति से आगे नहीं जा सकते, लेकिन उसके साथ सह–अस्तित्व में रह सकते हैं। प्रकृति के साथ सह–अस्तित्व की भावना अपनाकर ही हम पृथ्वी को रहने योग्य बना सकते हैं।

आज देहरादून में अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए उन्होंने आगे कहा कि सस्टेनेबिलिटी का अर्थ है यह समझना कि हम प्रकृति से कितना और कब तक ले रहे हैं। पहले विकास का मॉडल "टेक, मेक और वेस्ट" के सिद्धांत पर आधारित था। लेकिन बढ़ते अतिउत्पादन के कारण अब ध्यान सस्टेनेबिलिटी की ओर गया है, जिसके तहत सर्कुलर इकोनॉमी की

अवधारणा को अपनाया जा रहा है, जो रीसाइक्लिंग, पुनः उपयोग और पुनः उत्पादन को बढ़ावा देती है। उन्होंने यह भी कहा कि सस्टेनेबिलिटी से सर्कुलर इकोनॉमी की ओर यह बदलाव हमारी नवाचार क्षमता और प्रगति को दर्शाता है।

आयकर नियम

केंद्र सरकार ने आयकर नियम, 2026 अधिसूचित कर दिए हैं। ये नियम, पहली अप्रैल से प्रभावी होंगे। नए नियमों का उद्देश्य अनुपालन को बढ़ाना और नियमों की संख्या कम करके कर प्रक्रियाओं को सरल बनाना है।

वित्त मंत्रालय ने कहा है कि नए नियमों के तहत, कंपनियों को शेयर रजिस्टर रखने, आम बैठकें आयोजित करने और लाभांश का भुगतान केवल देश के भीतर ही करना होगा।

नेटवर्क

प्रदेश के सीमावर्ती गांवों को नेटवर्क से जोड़ने के लिए केंद्र और राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही हैं। इसी क्रम में लोकसभा में गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी ने 'वाइब्रेंट विलेज योजना' के तहत चमोली जिले के 14 गांवों में मोबाइल कनेक्टिविटी बढ़ाने से संबंधित प्रश्न उठाया। इसके उत्तर में केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने बताया कि उत्तराखंड के 705 सीमांत गांवों में से 684 गांवों में दूरसंचार सुविधाएं उपलब्ध करा दी गई हैं, जबकि शेष गांवों को संचार सेवाओं से जोड़ने की प्रक्रिया जारी है।

बागवानी योजना

प्रदेश सरकार ने सेब काश्तकारों को राहत देते हुए सेब की अति सघन बागवानी योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए 29 करोड़ 25 लाख रुपये की धनराशि जारी कर दी है।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि एप्पल मिशन और अति सघन बागवानी योजना के तहत किसानों को मिलने वाली लंबित सहायता के भुगतान में अब तेजी आएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि 15 दिनों के भीतर लाभार्थी किसानों को उनकी लंबित राशि प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराई जाए।

उन्होंने कहा कि सरकार सेब उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है। इस योजना से पर्वतीय क्षेत्रों के सेब काश्तकारों को विशेष लाभ मिलेगा और उनकी आय बढ़ाने के साथ बागवानी क्षेत्र को मजबूती मिलेगी।

चैत्र नवरात्रि

आज पावन चैत्र नवरात्रि के तृतीय दिवस पर श्रद्धालु मां चंद्रघंटा की विधि–विधान से पूजा–अर्चना कर रहे हैं। मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं और वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। श्रद्धालु व्रत रखकर मां से सुख, शांति और समृद्धि की कामना कर रहे हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मां चंद्रघंटा की आराधना से भय, कष्ट और नकारात्मक शक्तियों का नाश होता है तथा साहस और आत्मबल में वृद्धि होती है।

इस दौरान विभिन्न स्थानों पर विशेष पूजा, हवन और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा है। प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

उधर, पिथौरागढ़ जिले के गंगोलीहाट स्थित प्राचीन सिद्धपीठ हाटकालिका मंदिर में इन दिनों श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है।

मान्यता है कि यहां मां काली ने दैत्यों का संहार कर इस स्थान को पवित्र किया और यहीं स्थायी रूप से विराजमान हुईं। धार्मिक ग्रंथ स्कंद पुराण के मानसखंड में भी इस क्षेत्र की महिमा का उल्लेख मिलता है, जहां मां काली के इस स्वरूप की विशेष पूजा का वर्णन किया गया है।

ईद–उल–फितर

देशभर में आज ईद–उल–फितर का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। रमज़ान के पवित्र महीने के बाद आने वाला यह त्योहार भाईचारे और सौहार्द का संदेश देता है।

समूचे देश में आज सुबह से ही ईद की रौनक दिखाई दे रही है। मस्जिदों और ईदगाहों में बड़ी संख्या में लोग एकत्र होकर अमन, शांति और खुशहाली की दुआ कर रहे हैं। हरिद्वार और देहरादून की विभिन्न मस्जिदों में नमाज अदा की गई। ईद–उल–फित्र, रमज़ान के महीने के समापन का प्रतीक है। इसमें मुसलमान, रोज़ा रखकर आत्म–संयम और इबादत करते हैं। एक दिन पहले चांद दिखने के बाद ईद की शुरुआत होती है। नमाज़ के बाद लोग एक–दूसरे को गले मिलकर "ईद मुबारकबाद देते हैं। ईद के अवसर पर घरों में सेवइयों समेत कई पारंपरिक व्यंजन बनाए जा रहे हैं और लोग अपने परिवार तथा दोस्तों के साथ खुशियां साझा कर रहे हैं। इस मौके पर 'ज़कात–उल–फितर' देने की परंपरा भी निभाई जा रही है, यह हर सक्षम मुसलमानों द्वारा दिया जाने वाला एक अनिवार्य धार्मिक दान है। यह त्योहार समानता, दया और सहयोग का संदेश देता है। आइएं ईंद पर हम सब मिलकर समाज में भाईचारे और एकता को मजबूत करें।

उच्च शिक्षा

उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता गुणवत्ता और नवाचार को बढ़ावा देने के तहत प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों में विज्ञान वर्ग में नव नियुक्त 50 शिक्षकों को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में विशेष प्रशिक्षण दिया जायेगा। आगामी 23 मार्च से आयोजित इस विशेष प्रशिक्षण में शिक्षकों को शिक्षण तकनीकों तथा आधुनिक शोध पद्धतियों के गुर सिखाये जायेंगे।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने कहा कि शिक्षकों के एक्सपोजर और प्रशिक्षण का निश्चित तौर पर प्रदेश के शिक्षण संस्थाओं में सकारात्मक प्रभाव दिखायी देगा।

मौसम

और अब एक नजर आज के मौसम पर.... राजधानी देहरादून सहित प्रदेश के मैदानी जिलों में आज मौसम साफ बना हुआ है। वहीं पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में हुई मूसलाधार बारिश और चारधाम सहित ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भारी हिमपात से तापमान में गिरावट दर्ज की गयी है।

इस बीच, मौसम विभाग ने अगले 36 घंटे के दौरान उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में कहीं–कहीं हल्की बारिश और तीन हजार से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी का अनुमान जताया है, जबकि देहरादून, नैनीताल और टिहरी में भी हल्की बारिश के आसार बने हुए हैं। वहीं शेष जिलों में मौसम शुष्क बना रहेगा।